No. of Printed Pages : 4

MES-052

03575

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2015

MES-052 : PSYCHOLOGY OF LEARNING AND TEACHING

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All*** *questions are* ***compulsory.***

(ii) ***All*** *questions carry* ***equal*** *weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

   Explain the concept of 'Learning' and illustrate the significance of psychology in Learning and Teaching.

   OR

   Adolescence is a period of stress and strain comment by illustrating the significant trends of development during adolescence.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Explain nature and principles of reinforcement and its significance in the teaching-learning process.

   OR

   Describe Bruner's various stages of cognitive development with illustrations.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

(a) Explain significance of operant conditioning.

(b) Discuss the concept and importance of constructivism.

(c) Write criticism of Erickson's Theory.

(d) Discuss briefly the concept and types of Personality according to Jung.

(e) Discuss the concept and implication of interest to teaching-learning.

(f) Explain the concept of Aptitude and methods of its Testing.

4. Answer the following question in about **600** words :

What is meant by Extrinsic and Intrinsic motivation ? Explain the role and importance of various motivational theories in the teaching-learning process.

शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

एम.ई.एस.-052 : अधिगम तथा अध्यापन का मनोविज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :

अधिगम की अवधारण की व्याख्या करें तथा अधिगम और अध्यापन में मनोविज्ञान के महत्व को उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

अथवा

किशोरावस्था एक तनाव और तूफान का समय है। किशोरावस्था में विकास की महत्त्वपूर्ण प्रवृत्तियों की सोदाहरण व्याख्या करें।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :

पुनर्बलन की प्रकृति तथा इसके सिद्धांतों की व्याख्या करें। अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया में इसके महत्त्व को भी स्पष्ट करें।

अथवा

उपयुक्त उदाहरण देते हुए ब्रूनर द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन करें।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर दें। प्रत्येक उत्तर लगभग **150** शब्दों का होना चाहिए।

(a) क्रिया-प्रसूत अनुकूलन के महत्त्व की व्याख्या करें।

(b) रचनावाद की अवधारणा और इसके महत्त्व की विवेचना करें।

(c) एरिक्सन के सिद्धांत की समालोचना करें।

(d) युंग द्वारा प्रतिपादित व्यक्तित्व की अवधारणा तथा प्रकारों की संक्षिप्त विवेचना करें।

(e) अभिरुचि की अवधारणा तथा अध्यापन अधिगम में इसके निहितार्थों की व्याख्या करें।

(f) अभिक्षमता की अवधारणा और इसे मापने की विधि की व्याख्या करें।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :

बाह्य तथा आंतरिक अभिप्रेरणा से क्या अभिप्राय है? अधिगम-अध्यापन प्रक्रिया में विभिन्न अभिप्रेरणात्मक सिद्धांतों की भूमिका तथा सिद्धांतों की व्याख्या करें।